उत्तरप्रदेष के बजट का एडीआर/एनईडब्लू द्वारा विषलेषण

एसोसिएषन फार डिमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर),
और
नेषनल इलेक्षन वाच (एनईडब्लू)

नवंबर 2011

www.adrindia.org, http://www.myneta.info, adr@adrindia.org, http://www.twitter.com/adrspeaks, http://www.facebook.com/adr.new

प्रस्तावना

उत्तर प्रदेश सघन रूप से बसा राज्य है जो देश के अन्य राज्यों के मुकाबले अनेक विकासपरक समस्याओं, मसलन–गरीबी की ऊंची दर, ऊंची बाल मृत्यु दर, साक्षरता की निम्न दर और निम्नतर जीवनधारिता से ग्रस्त है। राज्य का आर्थिक विकास दर पिछले दशक में कमतर रहा। उसके सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में वर्ष 2000–01 से 2008–09 के बीच 10.8**%** की दर से बढोतरी हुई जबकि सामान्य वर्ग के अन्य राज्यों में यह बढोतरी 13.4**%** की दर से हुई।

मुख्य वित्तीय सूचक

उत्तर प्रदेश के 2005–2010 के राज्य बजट के मुख्य सूचकों का सारांश तालिका में दिया गया है। उल्लेखनीय बातें निम्नलिखित हैं :–

- राजस्व व्यय में वर्ष 2009–10 के दौरान 18**%** बढोतरी हुई और वित्तीय सूधार के क्रम सरकार द्वारा कराए गए आंकलन से उल्लेखनीय रूप से अधिक रहा।
- पूंजीगत व्यय में भी वर्ष 2009–10 के दौरान 12**%** बढोतरी हुई जो मुख्य रूप से ग्रामीण विकास कार्यक्रमों और अनाज की खरीददारी में पूंजीगत आवंटन की वजह से हुई।

तालिका –1 उत्तर प्रदेश के मुख्य वित्तीय सूचक

सभी आंकडे करोड रु में	2005.06	2006.07	2007.08	2008.09	2009.10
राजस्व प्राप्ति	45,349	60,600	68,672	77,831	96,421
राजस्व व्यव	46,617	55,699	65,223	75,969	89,374
राजस्व घाटा	–1,268	4,901	3,449	1,862	7,047
पूंजी खाता में प्राप्तियां	14,842	12,067	9,528	17,538	22,782
पूंजीगत व्यय	8,711	13,984	16,950	22,346	25,091
वित्तीय घाटा	–10,078	–9,615	–13,794	–20,513	–18,693

राजस्व प्राप्तियां

राज्य सरकार की वित्तीय प्राप्तियों का विवरण तालिका 2 में दिया गया है जो बताता है कि राज्य सरकार की राजस्व आमदनी में 50**%** से अधिक केन्द्रीय टैक्सों में हिस्सा या भारत सरकार के अनुदान के रूप में केन्द्रीय स्रोतों से आता है।

यह गौरतलब है कि सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र की विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं /कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए केन्द्र सरकार काफी बडी रकम राज्य की कार्यान्वयन एजेंसियों को सीधे आवंटित कर रही है। इन रकमों को राज्य बजट/राज्य कोषागार प्रणाली के माध्यम से नही भेजा जाता। सीएजी ने दर्ज किया है कि राज्य कार्यान्वयन एजेंसियों को सीधे आवंटन होने से कोष के उपयोग की देखभाल कमजोर होने का खतरा रहता है।

तलिका–2 : राजस्व प्राप्तियों का विवरण

सभी आंकडे करोड रु में	2005.06	2006.07	2007.08	2008.09	2009.10
कुल राजस्व प्राप्ति	45,349	60,600	68,672	77,831	96,421
राज्य की कर प्राप्ति	18,858	22,998	24,959	28,659	33,878
राज्य की गैर–कर प्राप्ति	2,930	6,533	5,816	6,767	13,601
केन्द्रीय करों में हिस्सा	18,203	23,218	29,288	30,906	31,797
भारत सरकार का अनुदान	5,358	7,851	8,609	11,499	17,146
केन्द्रीय स्रोतों से राजस्व प्राप्ति का प्रतिशत	**52%**	**51%**	**55%**	**54%**	**51%**

वचनबद्ध व्यय

राज्य के राजस्व व्ययों में वचनबद्ध व्यय का प्रतिशत तालिका –3 में दिया गया है। वचनबद्ध व्यय की परिभाषा नियंत्रक सह लेखा–परीक्षक ने ब्याज भुगतान, वेतन व भत्ते, पेशन और सरकारी आर्थिक सहायता पर होने वाले खर्चों के रूप में की है। उल्लेखनीय बातें निम्नलिखित हैं :–

- वर्ष 2009–10 में वेतन, ब्याज और पेंशन के भुगतान पर कुल राजस्व व्यय का 59**%** खर्च हुआ।
- वर्ष 2009–10 में वेतन पर खर्च राजस्व व्यय (ब्याज भुगतान और पेंशन मिलाकर) का 50**%** रहा जबकि 12वें वित्त आयोग का मानदंड 35**%** था।
- पेंशन भुगतान की रकम में 177**%** की बढोतरी हुई। यह वर्ष 2005–06 में 3391 करोड रु से बढकर वर्ष 2009–10 में 11,007 करोड रु हो गया। पेंशन भुगतान वर्ष 2009–10 में बारहवें वित्त आयोग के प्रक्षेपण से 66**%** अधिक हो गया। बढती पेंशन देनदारियों के प्रभाव को घटाने के लिए सरकार ने सहभागी पेंशन योजना आरंभ की।
- वर्ष 2009–10 में जिन प्रमुख क्षेत्रों को आर्थिक सहायता दी गई, वे बिजली (38 प्रतिशत), ग्रामीण विकास (28**%**), कृषि (20**%**) और सिचाई व बाढ–नियंत्रण (4**%**) है।

तालिका–3 : उत्तर प्रदेश के वचनबद्ध व्यय

सभी आंकडे करोड रु में	2005.06	2006.07	2007.08	2008.09	2009.10
वेतन और भत्ते	15,653	17,956	19,352	23,857	33,347
ब्याज भुगतान	9,098	10,477	10,820	11,375	11,988
पेंशन	3,991	4,850	6,136	6,926	11,074
आर्थिक सहायता	..	..	..	3,819	4,275
कुल	**28,742**	**33,283**	**36,308**	**45,977**	**60,684**
राजस्व प्राप्ति का प्रतिशत	**63%**	**55%**	**53%**	**59%**	**63%**

परिषिष्ट

परिभाषाएं

शब्द	परिभाषा
राजस्व प्राप्ति	राजस्व प्रप्ति में राज्य करों से प्राप्ति, राज्य की करेतर प्राप्तियां, केन्द्रीय करों में हिस्सा और भारत सरकार के अनुदान का कुल योग शामिल होता है।
पूंजीगत प्राप्ति	पूंजीगत प्राप्तियों में ऋण और अन्य देनदारियों के साथ ऋणों की वसूली शामिल होती है। पूंजीगत प्राप्तियों से देनदारी उत्पन्न होती है या संपत्तियों में कमी आती है।
राजस्व व्यय	ऐसे व्यय जिनसे दीर्घकालीन संपत्तियों का निर्माण नहीं होता, बल्कि सरकार के रोजमर्रा के कामकाज को चलाने में होते हैं।
पूंजीगत व्यय	परिचालन गत व्ययों के अतिरिक्त कोई व्यय जिसका लाभ एक वर्ष से अधिक समय तक मिलता है। यह संपत्ति के निर्माण पर होने वाला व्यय है।
राजस्व घाटा	राजस्व घाटा से राजस्व प्राप्ति और राजस्व व्यय के बीच के अंतर का सूचक होता है।
सकल वित्तीय घाटा	वित्तीय घाटा कुल संचित रकम है जो सरकार की प्राप्तियों से अधिक व्यय का सूचक है। इसकी परिभाषा सीएजी ने राजस्व व्यय, पूंजीगत व्यय, शुध्द ऋण और अग्रीम के योग से राजस्व प्राप्ति और विभिन्न मदों में पूंजीगत प्राप्तियों को घटाने के रूप में की है।
शुद्ध वित्तीय घाटा	सकल वित्तीय घाटा से केन्द्रीय ऋणों को निकाल देने पर प्राप्त रकम ।
योजना व्यय	योजना आयोग से अनुमोदन प्राप्त कार्यक्रमों/परियोजनाओं पर हुए व्यय